श्रीनगर, देवप्रयाग तथा आस-पास के अन्य स्थानों को बिजली सप्लाई की जा सके ;

(ख) क्या उक्त बांध के निर्माण कार्य को स्थगित कर दिया गया है ;

(ग) यदि हां, तो उक्त निर्माण-कार्य के पुनः कब तक आरम्भ करने की सम्भावना है तथा उक्त बांध से कब तक बिजली उत्पन्न होना आरम्भ हो जाएगी ?

सिंचाई और विद्युत मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) से (ग). ऊपर बताये नगरों में विद्युत सप्लाई करने के लिए राण्डी नदी की सहायक नदियों गंवर स्यूं और सितोन स्यूं के बहाव का समुपयोजन करने के वास्ते गेंठेचेरा पर 1965 में एक लघु जल-विद्युत परियोजना के निर्माण का प्रस्ताव था। यह परियोजना मार्च, 1969 में पूर्ण हो गई थी। कोई बांध बनाना परिकल्पित नहीं था। अतः बांध पर कार्य को स्थगित करने का प्रश्न ही नहीं है।

उसी जिले (पौड़ी गढ़वाल) में ही स्थित अन्य लघु जल-विद्युत परियोजना का पूर्वी नयार नदी पर गौनीचेरा में बीरोंखल, दोमेला, बैंजरों और थेलीसेन ग्रामों में विद्युत सप्लाई करने के लिए अनुसंधान किया गया था परन्तु गैर-किफायती होने के कारण इसको छोड़ दिया गया था।

कोटद्वारा तथा ऋषिकेश के लिए विशेष रेल-डिब्बे

2803. **श्री प्रताप सिंह नेगी** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गर्मी के मौसम में यात्रियों की संख्या में हुई वृद्धि को देखते हुए 84 विशेष रेल-गाड़ियां चलाने का एक कार्यक्रम तैयार किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो कोटद्वारा तथा ऋषिकेश के लिए कितनी विशेष गाड़ियां अथवा रेल-डिब्बे उपलब्ध कराये गये हैं अथवा कराने का विचार है ;

(ग) क्या केदारनाथ-बद्रीनाथ यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ; और

(घ) कोटद्वारा तथा ऋषिकेश के सम्बन्ध में सरकार का विचार क्या प्रबन्ध करने का है ;

रेल मन्त्री (श्री हनुमंतैया) : (क) 1971 में गर्मी के दिनों की भीड़-भाड़ की निकासी के लिए उत्तर रेलवे ने 71 स्पेशल गाड़ियां चलाने का कार्यक्रम बनाया है।

(ख) कोई नहीं, यातायात का औचित्य न होने के कारण।

(ग) जी नहीं।

(घ) कोई नहीं।

दिल्ली से कोटद्वारा के लिए मसूरी एक्सप्रेस रेलगाड़ी में एक यात्री डिब्बे का पुनः लगाया जाना

2804. **श्री प्रताप सिंह नेगी** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मसूरी एक्सप्रेस में दिल्ली से कोटद्वारा तक के लिये लगाये गये यात्री डिब्बे इस रेलगाड़ी में अत्यन्त अधिक संख्या में यात्रा करने वाले यात्रियों की आवश्यकता पूरी करने में अपर्याप्त हैं ;

(ख) क्या उन यात्री डिब्बों में पहले से लगाया जाने वाला एक यात्री डिब्बा अब बन्द कर दिया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार उक्त रेलगाड़ी में फिर से एक यात्री डिब्बा लगाने का है और यदि हां, तो कब तक ?

रेल मन्त्री (श्री हनुमंतैया) : (क) जी नहीं।